वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 303 | शनिवार 4 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय जलमार्ग-48 की समीक्षा के लिए दिए कड़े निर्देश

प्रदेश में जल परिवहन क्रांति: राष्ट्रीय जलमार्ग-48 बनेगा उद्योगों और निर्यात का नया आधार

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में औद्योगिक विकास और निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जलमार्ग की उपलब्धता को राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल किया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने जवाई-लूनी-रण ऑफ कच्छ राष्ट्रीय जलमार्ग-48 को धरातल पर उतारने के लिए विस्तृत और तुलनात्मक अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास को इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तकनीकी एवं वित्तीय पहलुओं का गहन आकलन करने को कहा है। उन्होंने विशेष रूप से जहाजों के माध्यम से माल ढुलाई के लिए अनुमानित यातायात (ट्रैफिक) की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना की भविष्य की उपयोगिता स्पष्ट हो सके। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में 27 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय जलमार्ग-48 के विकास के लिए राज्य सरकार और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के बीच एक समझौता पत्र हस्ताक्षरित किया गया था। इसी क्रम में, शुक्रवार की बैठक के दौरान आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों ने परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारियों पर एक व्यापक प्रस्तुतीकरण दिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष सुनील पालीवाल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के इन निर्देशों के बाद अब इस परियोजना की तकनीकी व्यवहार्यता और भविष्य के व्यापारिक लाभों पर केंद्रित अध्ययन में तेजी आने की उम्मीद है।

विकास का नया आधार बनेगा जलमार्ग

मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जब यह राष्ट्रीय जलमार्ग अस्तित्व में आएगा, तो इससे न केवल राजस्थान बल्कि पड़ोसी राज्यों के उद्योगों और व्यापारियों को भी सुगम और सस्ती माल ढुलाई का लाभ मिलेगा। यह जलमार्ग प्रदेश के समग्र आर्थिक विकास का एक मजबूत आधार स्तंभ सिद्ध होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जलमार्ग के माध्यम से परिवहन न केवल व्यापारिक गतिविधियों को गति देगा, बल्कि माल ढुलाई की लागत में भारी कमी लाकर राजस्थानी उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। राष्ट्रीय जलमार्ग-48 के सक्रिय होने से राजस्थान के उद्योगों को रण ऑफ कच्छ के रास्ते अरब सागर तक सीधा और निर्बाध मार्ग प्राप्त होगा। राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरने वाला यह जलमार्ग निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए क्रांतिकारी सिद्ध होगा। रिफाइनरी उत्पादों की सुगम आवाजाही। भारी माल की कम लागत में ढुलाई। विनिर्मित उत्पादों का सीधा निर्यात।

मन को छल-कपट और राग-द्वेष से दूर करने का संकल्प लें: मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज ने सुभाषगंज स्थित संत निवास में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए भक्तों को आत्म-कल्याण का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने मन को शांत, कोमल और सरल बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

भावों की शुद्धि और ईश्वरीय शरण

मुनि श्री ने कहा, आप अपने भावों को प्रकट करें और सुधार की ओर एक कदम बढ़ाएं। एक साथ सब कुछ छोड़ना कठिन है, लेकिन प्रयास आवश्यक है। भगवान से प्रार्थना करें कि हम जन्म, जरा और मृत्यु के चक्र से ऊपर उठें। उन्होंने जोर देकर कहा कि संसार की उलझनों से बचने के लिए दिव्य वचनों का सहारा लेना चाहिए ताकि मन संसारी सुखों को छोड़कर प्रभु की शरण में लग सके। मुनि श्री ने दया और करुणा को अपनाकर मन, वचन और काया को सुंदर रूप में प्रस्तुत करने की प्रेरणा दी। इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्री ने कहा कि शांतिनाथ मंदिर के निर्माण के साथ शीघ्र ही वेदी पर प्रभु विराजमान होंगे। उन्होंने बताया कि मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ का सानिध्य प्राप्त करने के लिए समाज की कमेटी देवगढ़ जा रही है। इस अवसर पर जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, उपाध्यक्ष अजीत वरोदिया, महामंत्री राकेश अमरोद, मंत्री शैलेंद्र श्रागर, पूर्व महामंत्री रमेश तारई, हेमंत टडैया, संदीप बड़कुल सहित अन्य प्रमुख जनों ने श्रीफल भेंट कर गुरुदेव की अगवानी की भावना व्यक्त की।

विवेकपूर्ण खान-पान और साधु-संतों का अनुशासन

खान-पान की अशुद्धि पर प्रहार करते हुए मुनि श्री ने कहा, ''अक्सर हम अपनी भूख को इतना महत्व देते हैं कि भक्ष्य-अभक्ष्य का विवेक ही भूल जाते हैं। पापी और असभ्य लोगों की पसंद बनने के चक्कर में कहीं भी कुछ भी खाना-पीना शुरू कर देते हैं।'' उन्होंने जल छानकर पीने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवों की रक्षा के प्रति हमारी उदासीनता चिंताजनक है। मुनि श्री ने कहा कि यह साधु-संतों की ही कृपा है कि आज हमारे रसोईघर कुछ अनुशासित और शुद्ध हैं, अन्यथा मनुष्य ने प्रभु की आज्ञा को जानकर भी सदैव अपने मन की ही मानी है।

थूवोनजी तीर्थ में मुनि संघ और आर्यिका संघ का मंगल प्रवेश

जिले के प्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री दुर्लभ सागर जी महाराज ससंघ और गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ। तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, महामंत्री मनोज भैसरवास, विपिन सिंघई, राजेंद्र हलवाई, शैलेंद्र दद्दा और प्रदीप जैन रानी सहित अन्य भक्तों ने संघ की अगवानी की और श्रीफल भेंट किए। इस दौरान आचार्य संघ ने श्रद्धापूर्वक तीर्थ वंदना संपन्न की।

भव्य घटयात्रा और ध्वजारोहण के साथ पंचकल्याणक महोत्सव का इंदौर में मंगल शुभारंभ

इंदौर. शाबाश इंडिया। मल्हारगंज दिगंबर जैन चंद्रप्रभु जिनालय में विराजित होने वाली 24 रजतमयी प्रतिमाओं के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ मुनि श्री विमल सागर जी एवं मुनि श्री अनंत सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में हुआ। महोत्सव की शुरूआत प्रातःकाल आदिनाथ जिनालय, छत्रपति नगर से निकली भव्य घटयात्रा और शोभायात्रा से हुई। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि केसरिया परिधानों में मंगल कलश लिए महिलाएं और श्वेत वस्त्रों में नृत्य करते पुरुष बैंड-बाजों और जयकारों के साथ पैदल चलते हुए महोत्सव स्थल दलाल बाग पहुँचे। दलाल बाग पहुँचने पर आकाश दीपिका कोल ने मंडप का उद्घाटन किया। ध्वजारोहण का सौभाग्य राजीव मीना जैन और आजाद रवि देवी जैन (बीड़ी वाला परिवार) को प्राप्त हुआ। ध्वजा के ईशान-उत्तर दिशा में फहराते ही उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से उत्साह प्रकट किया। कार्यक्रम में आचार्य श्री विद्यासागर जी के चित्र का अनावरण अनिल आरती जैनको परिवार ने किया, जबकि दीप प्रज्वलन राजेश अल्पना लॉरेल एवं राजेंद्र संध्या जैन (अलबेला परिवार) द्वारा संपन्न हुआ। प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी विनय भैया 'बंडा' ने समस्त मांगलिक क्रियाएं संपन्न कराईं। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में ध्वजारोहण के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए महोत्सव की सफलता हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर भरतेश बड़कुल, शरद रावत, हेमंत मोदी सहित अनेक गणमान्य धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन का होली मिलन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन, राजस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार को बापू नगर स्थित विनोबा ज्ञान मंदिर में कार्यकारिणी की बैठक एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के चेयरमैन आर. के. बख्शी ने की। समारोह में बैंक के पूर्व महाप्रबंधक (जीएम) एस. आर. खटीक, पूर्व उपमहाप्रबंधक (डीजीएम) बी. एस. राठौड़, महेंद्र मीणा, उपाध्यक्ष डी. एन. खंडेलवाल तथा क्षेत्रीय सचिव (कोटा) ए. के. रावत को सुरेश शर्मा द्वारा स्वागत करते हुए मंच पर आमंत्रित किया गया। एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव (जयपुर) पदम जैन बिलाला ने बताया कि कार्यक्रम में महासचिव एन. के. पारीक ने अपने उद्बोधन में पेंशनर्स की वर्तमान समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने लंबित पेंशन संशोधन, बीमा प्रीमियम पर जीएसटी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार एवं आईबीए के साथ अब तक हुई वार्ताओं की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि एआईबीपीआरसी तथा सीबीपीआरओए इन समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चल रहे पेंशन अपडेशन केस की वर्तमान स्थिति से भी सदस्यों को अवगत कराया। उप महासचिव मनोज शर्मा एवं बी. एस. राठौड़ सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन से सेवानिवृत्त अधिकारियों को एक साथ मिलने, विचार-विमर्श करने तथा अपनी समस्याओं के समाधान की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने एसोसिएशन द्वारा सदस्यों की समस्याओं के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं तथा नव-नामांकित सदस्यों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में ललित शर्मा ने मंचासीन अतिथियों एवं उपस्थित वरिष्ठ जनों का आभार व्यक्त किया। समारोह में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारियों की उपस्थिति रही।

।। श्री आदिनाथाय: नम: ।। 卐 ।। श्री महावीराय: नम: ।।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा

मानव सेवार्थ 24 स्थानों पर विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किये गये।

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd. | प्रायोजक समाचार जगत

पंचम जीवन रक्षक सम्मान समारोह–2026

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की स्मृति में

24 रक्तदान शिविर आयोजन करने वाली संस्थाओं का सम्मान किया जायेगा

श्रेष्ठी डॉ. पी.सी. जैन

श्रेष्ठी श्री नीरज गंगवाल

चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवार्थ किये गये सेवा कार्यों के लिये विशेष सम्मान किया जायेगा

विशाल भक्ति संध्या

उभरते हुए युवा गायकों द्वारा भव्य प्रस्तुति

श्री इशान जैन
Voice of Pink City Fame

सुश्री प्रिया जैन
गायिका

लाईव म्यूजिकल धार्मिक हाऊजी

प्रस्तुतकर्त्ता :
श्रीमती समता गोदिका
एण्ड पार्टी

धार्मिक हाऊजी में धर्मलाभ के साथ–साथ आकर्षक पुरस्कार जीतने का सुनहरा अवसर

रविवार, 05 अप्रैल 2026 सायं 7.00 बजे से

स्थान : वर्धमान सभागार
महावीर स्कूल, सी–स्कीम, जयपुर

आमंत्रित अतिथिगण

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् नन्द किशोर जी, प्रमोद जी पहाड़िया
ए. आर. एल. ग्रुप

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत

गौरवमय अतिथि एवं हाऊजी पुरस्कार पुण्यार्जक
श्रीमान् सुरेन्द्र जी-मृदुला जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् राजीव जी जैन गाजीयाबाद
प्रमुख समाज सेवी

अध्यक्षता
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
मानद् मंत्री - श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी

मुख्य अतिथि
श्रीमान् अशोक जी चांदवाड़
प्रमुख व्यवसायी एवं समाज सेवी

विशिष्ठ अतिथि
श्रीमान् महेश जी काला
अध्यक्ष - वीर सेवक मण्डल

विशिष्ठ अतिथि
श्रीमान् ज्ञानचन्द जी झांझरी
प्रमुख समाज सेवी

विशिष्ठ अतिथि
श्रीमान् सुरेश चन्द जी, ऋषभ जी जैन
प्रमुख समाजसेवी मुरलीपुरा

विशिष्ठ अतिथि
श्रीमती निर्मला देवी धर्मपत्नी श्रीमान् बसन्त जी जैन
सरस्वती प्रिण्टर्स, जयपुर

विशिष्ठ अतिथि
श्रीमान् कमल चन्द जी, अमित जी चांदवाड़
KM TRANS LOGISTICS

:: आयोजन समिति ::

:: मुख्य समन्वयक ::
दर्शन–विनीता बाकलीवाल, राकेश–समता गोदिका

समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा, चक्रेश जैन, अनिल राँवका, सुनील गोदिका
पंकज पाटनी, नितेश पाण्ड्या, चेतन पापड़ीवाल, नीरा लुहाड़िया, मनोज शाह

:: सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ::
जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, तीर्थंकर, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, स्वस्तिक, विराट, अग्रसेन, गंगापुर सिटी

:: ग्रुप संयोजक ::
धनु कुमार जैन, श्रीमती सुशीला बड़जात्या, निर्मल कासलीवाल, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील जैन, राजेन्द्र सेठी, डॉ.मोहन लाल जैन 'मणी', मुकेश पाटनी, अनिल टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, डॉ. इन्द्रकुमार जैन, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन, राहुल सिंघल, नरेन्द्र नृपत्या

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राजेश–रानी पाटनी अध्यक्ष	राकेश–समता गोदिका संस्थापक अध्यक्ष	मनीष–शोभना लोंग्या निवर्तमान अध्यक्ष	सुरेन्द्र–मृदुला पाण्ड्या संरक्षक	दर्शन–विनिता जैन संरक्षक	राजेश–जैना गंगवाल संरक्षक	विनोद–शशि तिजारिया संरक्षक	दिनेश–संगीता गंगवाल परामर्शक	कमल–मंजु ठोलिया कोषाध्यक्ष	संजय–ज्योति छाबड़ा सचिव
राकेश–रेणु संघी वरिष्ठ उपाध्यक्ष	विनोद–हेमा सांगानी उपाध्यक्ष	अनिल–प्रेमा रांवका उपाध्यक्ष	चक्रेश–पिंकी जैन उपाध्यक्ष	अनिल–ज्योति जैन चौधरी उपाध्यक्ष	सुनील–सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	नितेश–मीनू पाण्ड्या संगठन सचिव (प्रोटिंग)	पंकज–नीना जैन संगठन सचिव	प्रदीप–प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन–डॉ. अनामिका पापड़ीवाल संयुक्त सचिव
	दिलीप–प्रमिला जैन खेल सचिव	अनिल–अनीता जैन सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र–कुसुम जैन सांस्कृतिक सचिव	मुकेश–प्रीति रारा कार्यकारिणी सदस्य	बिमल–शिमला लुहाड़िया कार्यकारिणी सदस्य	मनोज–ममता शाह कार्यकारिणी सदस्य	शैलेश–रुपा पाटनी कार्यकारिणी सदस्य	पवन–रीटा पाटनी कार्यकारिणी सदस्य	

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

सुनील बज अध्यक्ष	अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या परामर्शक	राजेश बड़जात्या निवर्तमान अध्यक्ष	अतुल बिलाला पूर्व अध्यक्ष	यश कमल अजमेरा पूर्व अध्यक्ष	सुरेश जैन (बांदीकुई) कार्याध्यक्ष	निर्मल संघी कार्याध्यक्ष	पदम चन्द भॉवसा कार्याध्यक्ष	प्रमोद जैन कोषाध्यक्ष	नीरज जैन महासचिव	राजेश बड़जात्या मुख्य समन्वयक रीजन

राकेश–समता गोदिका
सम्पादक : दैनिक शाबाश इण्डिया

मुद्रक : वर्धमान प्रिन्टर्स 9314263204

चर्चा

विरोध, आशंकाएं और वास्तविकता

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) देश की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ हैं। सीमाओं की सुरक्षा से लेकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति बहाली और आपदा प्रबंधन तक, इन बलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में जब भी इनके ढांचे, सेवा शर्तों या अधिकारों से जुड़ा कोई नया विधेयक सामने आता है, तो व्यापक चर्चा स्वाभाविक है। वर्तमान में प्रस्तावित विधेयक को लेकर विपक्ष की मुखरता और आशंकाओं को गहराई से समझना आवश्यक है। विपक्ष का सबसे पहला और प्रमुख विरोध 'संघीय ढांचे' (फेडरल स्ट्रक्चर) को लेकर है। विपक्षी दलों का आरोप है कि केंद्र सरकार इस विधेयक के माध्यम से राज्यों के संवैधानिक अधिकारों में हस्तक्षेप बढ़ा सकती है। यदि सुरक्षा बलों को राज्यों में सीधे हस्तक्षेप के अधिक अधिकार दिए जाते हैं, तो यह राज्यों की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी को कमजोर कर सकता है। कई क्षेत्रीय दल इसे राज्यों के अधिकारों पर सीधा अतिक्रमण मानते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा बलों के कर्मियों के अधिकारों और कल्याण से जुड़ा है। विपक्ष का तर्क है कि सरकार सुधार के नाम पर अनुशासन और नियंत्रण को तो कड़ा कर रही है, लेकिन जवानों की वास्तविक समस्याओं जैसे लंबी ड्यूटी, मानसिक तनाव, वेतन विसंगतियां और पुरानी पेंशन योजना पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। यदि विधेयक में इन मानवीय पहलुओं का संतुलित समाधान नहीं होता, तो इसका विरोध होना निश्चित है। इसके अतिरिक्त, राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका भी एक बड़ा कारक है। विपक्ष को डर है कि इन बलों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोध को दबाने या चुनावी लाभ के लिए किया जा सकता है, जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा। हालाँकि, इस विधेयक का एक सकारात्मक पक्ष भी है। इसका मूल उद्देश्य केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जैसे विभिन्न बलों के कार्य और जवाबदेही को एक समान कानूनी ढांचे में लाना है। वर्तमान में अलग-अलग बलों के लिए अलग नियम होने से समन्वय में जटिलताएं आती हैं। एक समेकित विधेयक संचालन में स्पष्टता और दक्षता ला सकता है।

संपादकीय

बदलते समाज में संतुलन की तलाश

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में यदि कोई संस्था सबसे अधिक प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना को गहराई से प्रभावित किया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े मुद्दे केवल सामाजिक विमर्श तक सीमित नहीं रहे, बल्कि

अदालतों तक पहुँच चुके हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो निर्णयों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच बढ़ते तनाव को उजागर किया। एक ओर लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं माना गया, वहीं दूसरी ओर ऐसे संबंधों को वैधानिक संरक्षण देने में संकोच व्यक्त किया गया। यह स्थिति न्यायिक असंगति से अधिक कानूनी अस्पष्टता और सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। इसी आधार पर न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखा है। लेकिन भारतीय समाज में विवाह केवल कानूनी अनुबंध नहीं, बल्कि एक सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था है, जिसमें अधिकारों और दायित्वों का संतुलन निहित है। यहीं से व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक जिम्मेदारियों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। स्पष्ट विधायी ढाँचे के अभाव में यह टकराव भ्रम और असुरक्षा को जन्म देता है। समाज वर्तमान में एक गहरे संक्रमण से गुजर रहा है। एक ओर पारंपरिक मूल्य हैं, जहां विवाह को जीवनभर निभाए जाने वाले संस्कार के रूप में देखा जाता है; दूसरी ओर आधुनिक सोच है, जिसमें व्यक्ति की स्वतंत्रता, करियर, आत्म-विकास और संतुष्टि को समान महत्व दिया जाता है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की संरचना को बदला है। अब रिश्ते सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ, सम्मान और संतुलन पर टिके होते हैं। नई पीढ़ी विवाह को जीवन का अनिवार्य चरण नहीं मानती। युवा पहले शिक्षा और करियर को प्राथमिकता देते हैं, फिर रिश्तों पर निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने को स्वीकार करते हैं, जबकि कुछ पारंपरिक बंधनों से अलग राह चुनते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि रिश्तों का महत्व कम हुआ है, बल्कि अब रिश्तों में समानता, संवाद और व्यक्तिगत स्पेस को अधिक महत्व दिया जा रहा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों को गहराई से प्रभावित किया है। जहां एक ओर इन माध्यमों ने लोगों को जोड़ने का कार्य किया है, वहीं तुलना की प्रवृत्ति और अवास्तविक अपेक्षाएं भी बढ़ाई हैं। डिजिटल दुनिया में मिलने वाला आकर्षण कई बार वास्तविक रिश्तों की गहराई को कम कर देता है। ऑनलाइन डेटिंग ने विकल्पों को बढ़ाया है, लेकिन स्थिरता को चुनौती दी है। ''स्वाइप संस्कृति'' ने रिश्तों को उपभोक्तावादी दृष्टिकोण से भी प्रभावित किया है। पीढ़ियों के बीच दृष्टिकोण का अंतर भी स्पष्ट है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

ट्रंप की 'एग्जिट चाल'

दिलीप कुमार पाठक

आज मध्य-पूर्व के तपते और बारूद की गंध से भरे रेगिस्तान में इतिहास की सबसे खतरनाक पटकथा लिखी जा रही है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ अमेरिका जैसी महाशक्ति की हेकड़ी ईरान के फौलादी इरादों के सामने पस्त पड़ती दिखाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो व्हाइट हाउस की कुर्सी संभालते ही ईरान को पत्थर युग में भेजने की गर्जना कर रहे थे, आज उसी ईरान की अभूतपूर्व सैन्य दृढ़ता और अचूक मिसाइल तकनीक के सामने खुद को फंसा हुआ पा रहे हैं। ट्रंप का हालिया बयान, जिसमें उन्होंने अगले 2 से 3 हफ्तों के भीतर अपनी सेना को बाहर निकालने की बात कही है, दरअसल कोई कूटनीतिक जीत नहीं बल्कि एक हारी हुई बाजी से सुरक्षित निकलने की छटपटाहट है। ट्रंप, जो स्वयं को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ 'डील मेकर' कहते थे, आज ईरान की शर्तों के सामने बेबस नजर आ रहे हैं। उनकी शांति की बात दरअसल उनकी अपनी सैन्य विफलता और रणनीतिक हार को छिपाने का एक पारदर्शी पर्दा मात्र है। वे भली-भांति जानते हैं कि यदि वे अब इस युद्ध के मैदान से बाहर नहीं निकले, तो अमेरिका को एक ऐसे क्षेत्रीय महायुद्ध का सामना करना पड़ेगा जिसकी आंच सीधे वाशिंगटन की दहलीज तक पहुँचेगी। ईरान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मध्य-पूर्व अब अमेरिका की जागीर नहीं है। ईरान आज एक अजेय विजेता की तरह उभरा है, जिसने संदेश दिया है कि वह अब केवल रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रक्षा की नीति अपनाते हुए दुश्मन को उसके घर में घुसकर तबाह करेगा। तेल अवीव की अभेद्य कही जाने वाली सुरक्षा दीवारों को भेदती ईरानी मिसाइलों और जॉर्डन स्थित अमेरिकी अड्डों पर हुए अचूक हमलों ने यह साबित कर दिया है कि ईरान की सैन्य शक्ति को कम आंकना ट्रंप की सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल थी। इस बीच, ट्रंप के पीछे हटने के फैसले ने एक ऐसा 'पावर वैक्यूम' पैदा कर दिया है जिसे भरने के लिए रूस और चीन घात लगाकर बैठे हैं। जैसे ही अमेरिकी सेना पीछे हटेगी, पुतिन अपनी सैन्य साख और शी जिनपिंग अपनी असीमित आर्थिक शक्ति के जरिए इस तेल-समृद्ध क्षेत्र को अपने प्रभाव में ले लेंगे। ट्रंप की यह 'एग्जिट' चीन के लिए वह सुनहरा रास्ता खोल रही है जहाँ वह बिना एक भी गोली चलाए मध्य-पूर्व का नया रणनीतिक महाबली बनकर उभरेगा। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा बेचैनी इजरायल के खेमे में है। इजरायल के लिए ट्रंप का यह फैसला किसी बड़े कूटनीतिक विश्वासघात से कम नहीं है, क्योंकि अमेरिका का पीछे हटना ईरान को पूरे क्षेत्र का बेताज बादशाह बना देगा। इजरायल आज खुद को इस युद्ध में अकेला महसूस कर रहा है। उसने अपने सैन्य बजट में 10 बिलियन डॉलर की जो ऐतिहासिक वृद्धि की है, वह यह जताने के लिए काफी है कि वह अब अकेले ही इस महायुद्ध में उतरने को तैयार है। इजरायली नेतृत्व को पता है कि अमेरिकी सेना के जाने के बाद ईरान समर्थित गुट उसे चारों तरफ से घेर लेंगे, जहाँ हार का अर्थ नक्शे से मिट जाना होगा। कठोर हकीकत यह है कि अमेरिका की दादागिरी ईरान की मिसाइलों के सामने फीकी पड़ चुकी है। ट्रंप अपनी पुरानी हेकड़ी भूलकर सुरक्षित वापसी की राह देख रहे हैं, जबकि इजरायल अपनी जमीन बचाने के लिए आखिरी कतरे तक लहू बहाने को आमादा है। आने वाले 21 दिन दुनिया को यह दिखा देंगे कि कैसे एक महाशक्ति के पैर उखड़ते हैं और कैसे मध्य-पूर्व का नया भूगोल अब वाशिंगटन के बजाय तेहरान की मर्जी से बारूद की कड़वी स्याही से लिखा जा रहा है।

धावास जैन समाज ने श्री महावीरजी लक्खी मेले में लगाई ढोक

2027 के पंचकल्याणक महोत्सव हेतु मांगी शुभाशीष

जयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्र संत आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज के आशीर्वाद और क्षुल्लिका संभावमती माताजी की प्रेरणा से जयपुर के धावास में भव्य चार मंजिला शांतिनाथ जिनालय का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। वर्ष 2027 में आचार्य श्री के सानिध्य में होने वाले ऐतिहासिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर समाज में भारी उत्साह है। इसी क्रम में, महावीर जयंती के पावन अवसर पर संपूर्ण धावास जैन समाज ने श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र में आयोजित लक्खी मेले में शिरकत की। समाज के सदस्यों ने चांदनपुर के वीर प्रभु के चरणों में ढोक लगाकर आगामी पंचकल्याणक महोत्सव की सफलता की कामना की।

अद्भुत और ऐतिहासिक होगा जिनालय

मंदिर निर्माण संयोजक जय कुमार जैन-बड़जात्या ने बताया कि यह देश का ऐसा पहला जैन मंदिर होगा जहाँ नवीन प्रतिमाओं के साथ-साथ प्राचीन प्रतिमाओं के संरक्षण का कार्य भी किया जाएगा। निमार्णाधीन मंदिर की संरचना इस प्रकार होगी:

भूतलः गुरु मंदिर का निर्माण।

प्रथम तलः मुख्य शांतिनाथ जिनालय।

द्वितीय तलः प्राचीन धरोहरों के संरक्षण हेतु विशेष वेदियाँ।

मंदिर समिति के संरक्षक गजेन्द्र, प्रवीण और विकास बड़जात्या ने अवगत कराया कि वर्ष 2027 में आचार्य सुनील सागर महाराज का 50वां अवतरण दिवस भी जयपुर में श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया जाएगा।

सक्रिय भागीदारी और प्रबंधन

यात्रा का कुशल प्रबंधन सह-मंत्री नरेन्द्र गोधा और नरेश सौगाणी ने किया। इस धार्मिक यात्रा में अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बैद, मंत्री मितेश ठोलिया, कोषाध्यक्ष हेमेन्द्र लुहाड़िया सहित विनय रंजन मित्तल, दिलीप शाह, सरिता लुहाड़िया, सीमा बड़जात्या और ललिता जैन सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुषों ने दर्शन-पूजन कर मेले में सक्रिय भागीदारी निभाई।

अयोध्या की पावन धरा पर 5 अप्रैल को होगा "सेवा शिरोमणि सम्मान"

अयोध्या. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 5 अप्रैल 2026 को अयोध्या में एक गरिमामय "सेवा शिरोमणि सम्मान" एवं अवार्ड समर्पण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन परम पूज्य गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के सानिध्य, प्रज्ञाश्रमणी श्री चंदनामती माताजी की प्रेरणा और स्वस्ति श्री रवींद्र कीर्ति स्वामी जी के निर्देशन में संपन्न होगा। समारोह के सारस्वत अतिथि अनुराग जैन (भारतीय प्रशासनिक सेवा) होंगे। मुख्य अतिथि के रूप में महावीर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुरेश जैन (मुरादाबाद), तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन (गाजियाबाद) और विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेश जैन (पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा), जस्टिस विमला जैन (भोपाल) एवं हंसमुख गांधी (इंदौर) शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन करेंगे। युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन (जयपुर) ने बताया कि इस अवसर पर परिषद की प्राचीन कामां शाखा का विशेष अभिनंदन 'स्वर्ण जयंती गौरव सम्मान' से किया जाएगा। साथ ही, देशभर की उत्कृष्ट शाखाओं को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। समारोह में सेवा शिरोमणि सम्मान से उदयभान जैन (जयपुर), दिलीप जैन (जयपुर), डॉ. अनुपम जैन (इंदौर), बिजेंद्र जैन (दिल्ली), मनोज जैन (मेरठ), कैलाश जैन (लखनऊ) और अनिल जैन (दिल्ली) को विभूषित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रवींद्र कीर्ति स्वामी जी को 'युग पुरुष सम्मान' और समाजसेवी जवाहर लाल जैन (सिकंदराबाद) को 'कर्मठ व्यक्तित्व पुरस्कार' प्रदान किया जाएगा।

राजस्थान से जुटेगी बड़ी शक्ति

इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए विभिन्न प्रांतों से सदस्य अयोध्या पहुँचेंगे। राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन और प्रदेश महामंत्री विमल बज के नेतृत्व में राजस्थान से सैकड़ों पदाधिकारी और सदस्य इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए रवाना होंगे। यह आयोजन युवा शक्ति को समाजहित में सक्रिय योगदान हेतु प्रेरित करने का एक सशक्त मंच सिद्ध होगा।

डॉ. अशोक दुबे स्टार सोशल ग्रुप जयपुर पर्यावरण इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्टार सोशल ग्रुप के राष्ट्रीय स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। ग्रुप प्रमुख डॉ. राकेश केदावत ने डॉ. अशोक दुबे को जयपुर पर्यावरण इकाई का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ. दुबे की पर्यावरण के प्रति निष्ठा और सामाजिक कार्यों के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर डॉ. केदावत ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अजमेर में जीवदया

500 अशक्त गौवंश को हरा चारा अर्पण कर अर्जित किया पुण्य

अजमेर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग, महिला एवं युवा महिला संभाग के तत्वावधान में जीवदया का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। वैशाख बदी एकम एवं समिति संरक्षक राकेश पालीवाल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में लोहागल रोड स्थित श्री पुष्कर गो-आदि पशुशाला में गौ-सेवा की गई। महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि पशुशाला की 500 से अधिक गौमाताओं, जिनमें दृष्टिहीन और अशक्त गौवंश भी शामिल है, को 1100 किलो हरा चारा (रिजका) अर्पित किया गया। इस अवसर पर महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी, राकेश-कमलेश पालीवाल और गौ-भक्त सरोज अग्रवाल ने अपने हाथों से गौवंश को चारा खिलाकर पुण्य अर्जित किया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष अतुल पाटनी ने सभी सेवा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन समाज में जीवदया और करुणा का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से किया गया।

महावीर जयंती: बापू नगर में जन्म कल्याणक, राज सभा एवं इंद्र सभा का भव्य मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर की जन्म जयंती के पावन अवसर पर पंडित टोडरमल स्मारक भवन के मुख्य सभागार में जन्म कल्याणक, राज सभा एवं इंद्र सभा का मंत्रमुग्ध कर देने वाला मंचन किया गया। पंडित टोडरमल वीतराग विज्ञान महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीला जैन (अलवरवाली) के निर्देशन में मंडल की 40 सदस्यों ने मात्र 4 घंटे के अल्प अभ्यास के बावजूद अत्यंत प्रभावशाली प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत ऐनी जैन और पाँच युवतियों के शानदार मंगलाचरण नृत्य से हुई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि नम्रता जैन, मधु जैन, नमिता छाबड़ा, रेखा पाटनी, सरोज कटारिया एवं कुसुम गंगवाल का तिलक, माला और दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य पंडित जिनेंद्र कुमार शास्त्री ने राजा-रानी एवं इंद्र-इंद्राणियों के संवादों के माध्यम से तीर्थंकरों के कल्याणकों का आध्यात्मिक महत्व समझाया। लोकप्रिय गायक रिमांशु शास्त्री और दिव्यांशु शास्त्री के मधुर भजनों पर पूरा सभागार भक्तिभाव में झूम उठा। मंचन में प्रमुख पात्रों के रूप में प्रमिला जैन (राजा सिद्धार्थ), चारू जैन (माता त्रिशला), वामाक्षी बज एवं अदिति जैन (सौधर्म इंद्र-इंद्राणी), तथा संगीता सोनी एवं अर्चना पाटनी (कुबेर इंद्र-इंद्राणी) के अभिनय ने दर्शकों को सम्मोहित कर दिया। आदर्श नगर के मुल्तान दिगंबर जैन महिला मंडल की सदस्य अपनी एक समान वेशभूषा के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। पूरे कार्यक्रम का संगीत और कुण्डलपुर के राजदरबार का आकर्षक 'डिजिटल डिस्प्ले'

अखिल जैन द्वारा तैयार किया गया था। इस गरिमामय आयोजन में प्रदीप जैन सोनी, शांति लाल गंगवाल, सीए प्रदीप जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभागार दर्शकों से खचाखच भरा था, जिन्होंने करतल ध्वनि से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

यह सच है कि मैं नास्तिक हूं

यह सच है कि मैं नास्तिक हूं,
नहीं मानता मैं भगवान को।
नहीं सिर झुकाता मंदिर में,
नहीं पूजता मैं भगवान को।।
यह सच है कि मैं नास्तिक हूं।।

मगर तुम तो करते हो पूजा बहुत,
सुबह-शाम अपने ईश्वर की,
पर दिल से यह तुम बतलाओ,
खुशी मांगते हो किसकी?
क्यों चाहते हो धन-दौलत,
बस अपने ही हित के लिए?
यह सच है कि मैं नास्तिक हूं।।

मगर पाप फिर भी इस दुनिया में,
क्यों इतना बढ़ता जाता है?
क्यों इंसान ही इंसान का
खून यहाँ बहाता है?
जबकि यहाँ हैं धर्मगुरु कई,
संत, महात्मा और साधु।
यह सच है कि मैं नास्तिक हूं।।

ये रस्म-रिवाज समाज के,
मुझसे निभाए नहीं जाते,
रिश्तों के इस जाल में मुझको
बंधकर जीना नहीं भाता।
तुम निभाते हो सारी परंपराएं,
फिर भी क्यों है गरीबी यहाँ?
यह सच है कि मैं नास्तिक हूं।।

शिक्षक एवं साहित्यकार
गुरुदीन वर्मा ''जी. आजाद''
तहसील एवं जिला-बारां (राजस्थान)

जैनगिरी अतिशय क्षेत्र जटवाड़ा में महावीर जयंती का भव्य उत्सव

400 स्कूली विद्यार्थियों ने बढ़ाई शोभा

जटवाड़ा. शाबाश इंडिया। जैनगिरी अतिशय क्षेत्र, जटवाड़ा में इस वर्ष भगवान महावीर की जन्म जयंती अत्यंत श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाई गई। इस गौरवशाली आयोजन की विशेष उपलब्धि यह रही कि इसमें पहली बार लगभग 400 स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिससे कार्यक्रम का आकर्षण और भी बढ़ गया।

गणिनी आर्यिका संघ का पावन सानिध्य

यह पावन उत्सव गणिनी आर्यिका 105 सुज्ञानश्री माताजी तथा गणिनी आर्यिका 105 प्रज्ञाश्री माताजी के मंगल सानिध्य में संपन्न हुआ। माताजी के दिव्य मार्गदर्शन और आशीर्वाद से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। उपस्थित जनसमूह ने भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य और करुणा के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक ग्लोबल स्कूल (सावंगी), विद्यार्थी माध्यमिक आश्रम शाला (जटवाड़ा) और आचार्य आर्य चाणक्य विद्यालय (जटवाड़ा) के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बच्चों की ऊर्जा और उमंग ने वातावरण को जीवंत बना दिया। आयोजन के दौरान बच्चों के लिए विशेष अल्पोपहार की भी व्यवस्था की गई थी। इस भव्य आयोजन का सफल प्रबंधन सुमित पहाड़े द्वारा किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों में भाऊसाहेब दरोडे पाटील, पूनमचंद चव्हाण, नवनाथ शेटे, संतोष सोनवणे, नामदेव शेटे, कैलाश दरोडे, संतोष शेटे, विजयकुमार पहाड़े, प्रमोद पांडे, अशोक गंगवाल तथा शिक्षक स्टाफ ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। यह महत्वपूर्ण जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा और पियूष कासलीवाल (औरंगाबाद) द्वारा साझा की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों और समाज बंधुओं ने इस सफल आयोजन के लिए प्रसन्नता व्यक्त की।

राष्ट्रीय कवि चौपाल की अनूठी पहल

दौसा में 500 परिंडे लगाने का लक्ष्य, भीषण गर्मी में पक्षियों को मिलेगी राहत

दौसा. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए मूक पक्षियों की रक्षा हेतु राष्ट्रीय कवि चौपाल संस्था ने 'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान का भव्य आगाज किया है। प्यासे पक्षियों के लिए नई उम्मीद लेकर आई इस संस्था ने दौसा के विभिन्न क्षेत्रों में 500 परिंडे लगाने और उनमें नियमित पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लिया है। अभियान की अगुवाई कर रहे जिला अध्यक्ष कवि कृष्ण कुमार सैनी ने बताया कि प्रकृति से कविता और कविता से करुणा तक का सफर तभी सार्थक है, जब हम मानवीय संवेदनाओं को धरातल पर उतारें। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जीवदया के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास है। संस्था के सभी सदस्य तन-मन-धन से इस ऐतिहासिक कार्य में अपना पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान आगामी साहित्यिक गतिविधियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. बृजमोहन मीना, बुद्धि प्रकाश महावर, अशोक कुवाल, सपना सोनी, केदार आभानेरी, अशोक खेड़ला, राजेंद्र यादव, दिनेश तूफानी, निर्मला शर्मा, अनोखी सरगम, अनुराग प्रेमी, महावीर तंवर, मोहर सिंह बिनौरी और वैभव व्याकुल सहित अनेक साहित्यकार एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे। यह पहल दौसा शहर में जीव संरक्षण के प्रति एक सकारात्मक संदेश दे रही है।

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने हनुमान जन्मोत्सव पर किया पक्षियों हेतु परिंडे लगाने और जूस वितरण का पुनीत कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से निरंतर सक्रिय कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार को हनुमान जन्मोत्सव का पर्व सेवा और समर्पण के साथ मनाया गया। ट्रस्ट की ओर से जीवदया और जनसेवा के अंतर्गत विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के सदस्यों ने श्री रामपाल वाले बालाजी मंदिर परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए, ताकि भीषण गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों को पीने का पानी सुलभ हो सके। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि पर्यावरण और जीव संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना उनकी संस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। इसी क्रम में, मंदिर परिसर में उमड़े दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु भव्य जूस वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। हनुमान जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर लगभग 2000 से अधिक व्यक्तियों को ठंडे जूस का वितरण किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को तपती गर्मी में बड़ी राहत मिली। ट्रस्ट के सेवाभावी सदस्यों ने 'जय श्री कृष्णा-राधे राधे' के जयघोष के साथ सभी कार्यों को संपन्न किया। कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक और धार्मिक हित के कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराता है।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर, शान्ति नगर
के तत्वावधान में युवा मण्डल, महिला मण्डल
द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 5 अप्रेल 2026
प्रातः 9 से 2 बजे तक

स्थान : श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर
शान्ति नगर, दुर्गापुरा, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

शिविर उद्घाटन कर्ता : श्रीमान् उमरावमल जी–कुसुम जी संघी, मानद् सचिव : अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी
श्री नवीन जी–दिपाली जी, नमित, दिशी, भव्य संघी

शिविर संयोजक : संजय जैन 9351533399
मैकिन गोदिका 9549341550, अजय जैन 9214300294
विवेक जैन 9829585858, शिवाल जैन 9413341501
नितिन पाटोदी 9887908259, राहुल ठोलिया 9785550004

दीपप्रज्जवलन कर्ता :
श्रीमान् अतुल कुमार जी–पूजा जी सेठी
विशिष्ट अतिथि : श्री सुधीर जी नाटाणी
श्री दिनेश जी मेहता, श्री कमल जी मोतियानी

सहयोगी संस्था :
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार
अध्यक्ष : मोहनलाल गंगवाल
सचिव : विजय पाण्ड्या

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति
अध्यक्ष : सुशील गोधा, मंत्री : सुनील बिलाला
युवा मण्डल
अध्यक्ष : अजय जैन, मंत्री : संजय जैन
एवं समस्त कार्यकारिणी युवा मण्डल
महिला मण्डल
अध्यक्ष : अरूणा छाबड़ा, मंत्री : साक्षी जैन

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंग्या
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

फरीदाबाद में संत भवन का लोकार्पण, ऐतिहासिक रथयात्रा निकाली गई

भगवान महावीर जन-जन की आस्था के केंद्र: आचार्य अतिवीर मुनिराज

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परंपरा के प्रमुख संत, परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में सेक्टर-10 स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान महावीर जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर नवनिर्मित ''श्री आदिनाथ निलय'' संत भवन का भव्य लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश के सबसे आकर्षक नवीन रथ पर प्रथम बार ऐतिहासिक रथयात्रा पूरे नगर में निकाली गई, जिसका विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा भावपूर्ण स्वागत किया गया। कार्यक्रम की समस्त मांगलिक क्रियाएं पं. वर्धमान कुमार सोंरया (टीकमगढ़) के निर्देशन में विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल उपस्थित रहे। उन्होंने आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त कर आयोजन की सराहना की। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज ने कहा कि जिनमंदिर सम्यक दर्शन की प्राप्ति के सशक्त माध्यम हैं और किसी नगर में संतों का आगमन अत्यंत सौभाग्य का प्रतीक होता है। उन्होंने कहा कि हम प्रतिदिन जिनालय में दर्शन और पूजन के लिए आते हैं, लेकिन यह भी विचार करना चाहिए कि क्या मानव जीवन केवल पूजा-अर्चना तक सीमित है। मानव जन्म स्वयं को पूज्य बनाने और आत्मोन्नति के लिए मिला है। उन्होंने आगे कहा कि मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होने के लिए सबसे पहले अपने भीतर सम्यक्त्व की ज्योति प्रज्वलित करना आवश्यक है। आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ते हुए यदि कोई बाधा आए, तो उसे त्यागना ही श्रेष्ठ है। आचार्य श्री ने भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रेरणादायक हैं और विश्व की अनेक समस्याओं का समाधान उनके उपदेशों में निहित है। भगवान महावीर केवल जैन समाज के ही नहीं, बल्कि समस्त मानवता के आस्था केंद्र हैं। उन्होंने जैन समाज से आह्वान किया कि वह अपनी शक्ति को पहचाने और एकजुट होकर अपने सामाजिक संगठन को सशक्त बनाए। **-समीर जैन**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव; 71 हजार हनुमान चालीसा पाठ का समापन

हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा)

मुख्य बाजार चौक स्थित सनातन धर्म हनुमान मंदिर, बरवाला के प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव का पर्व बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

भजन संध्या और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिर में भव्य भजन संध्या का विशेष आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मार्केट कमेटी के चेयरमैन प्रवीण सैनी, पूर्व पार्षद पुनीत जावा और युवा भाजपा नेता राहुल चोपड़ा ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर के प्रधान मदन लाल गिरधर ने की। भजन संध्या में अमृतसर से पधारे प्रसिद्ध गायक नूर जॉली और हिसार की तनु श्री ने अपनी सुरीली आवाज से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे और नाच-गाकर अपनी अटूट आस्था प्रकट की।

71 हजार हनुमान चालीसा पाठ की पूर्णाहुति

प्रोजेक्ट चेयरमैन पवन तनेजा और विकास पाहवा ने जानकारी दी कि मंदिर में काफी समय से चल रहे 71,000 हनुमान चालीसा पाठ का शुक्रवार को विधिवत समापन हुआ। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में सामूहिक पाठ का सफल आयोजन क्षेत्र के लिए गौरव की बात है, जो श्रद्धालुओं के सहयोग और निष्ठा का प्रतीक है। मंदिर के प्रधान मदन लाल गिरधर ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हनुमान जी की भक्ति हमें सेवा, समर्पण और शक्ति का संदेश देती है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे ताकि युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी रहे। मंदिर परिसर में सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारे और प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर संरक्षक भीम सेन मक्कड़, मदन चावला, कोषाध्यक्ष राजेंद्र मुंजाल, मंच संचालक सतीश काठपाल, जे.के. चानना, संजीव भाटिया, एडवोकेट संजय मक्कड़ सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय कवि चौपाल की अनूठी पहल

दौसा में 500 परिंडे लगाने का लक्ष्य, भीषण गर्मी में पक्षियों को मिलेगी राहत

दौसा. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए मूक पक्षियों की रक्षा हेतु राष्ट्रीय कवि चौपाल संस्था ने 'परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ' अभियान का भव्य आगाज किया है। प्यासे पक्षियों के लिए नई उम्मीद लेकर आई इस संस्था ने दौसा के विभिन्न क्षेत्रों में 500 परिंडे लगाने और उनमें नियमित पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लिया है। संस्था के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इस ''परिंडा अभियान'' की विधिवत शुरूआत की गई। अभियान की अगुवाई कर रहे जिला अध्यक्ष कवि कृष्ण कुमार सैनी ने बताया कि प्रकृति से कविता तक और कविता से करुणा तक का यह सफर तभी सार्थक होगा, जब हम सिर्फ लिखें नहीं, बल्कि उन मूल्यों को जिएं भी। उन्होंने कहा कि यह अभियान उसी सोच का एक विस्तार है। संस्था के सभी सदस्य तन, मन और धन से इस ऐतिहासिक कार्य में अपना पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान आगामी साहित्यिक गतिविधियों और योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. बृजमोहन मीना, बुद्धि प्रकाश महावर, अशोक कुवाल, सपना सोनी, केदार आभानेरी, अशोक खेड़ला, राजेंद्र यादव, दिनेश तूफानी, निर्मला शर्मा, अनोखी सरगम, अनुराग प्रेमी, महावीर तंवर, मोहर सिंह बिनौरी और वैभव व्याकुल सहित अनेक साहित्यकार एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे। यह पहल दौसा शहर में जीव संरक्षण और मानवीय संवेदनाओं के प्रति एक सकारात्मक संदेश दे रही है।

भक्ति के महासागर में डूबा माखला

विश्वेश्वर नाथ मंदिर में हनुमत जन्मोत्सव की अद्भुत छटा

उत्तरपाड़ा (माखला). शाबाश इंडिया। आध्यात्मिक चेतना और अगाध श्रद्धा के संगम स्थल दलुईपाड़ा स्थित श्री श्री विश्वेश्वर नाथ मंदिर में संकटमोचन हनुमान जी का जन्मोत्सव अत्यंत भव्य और अविस्मरणीय रूप में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र त्रेतायुगीन भक्ति रस में सराबोर दिखाई दिया। मंदिर परिसर ''जय श्री राम'' के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान हो उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया। प्रातःकाल भोर की पहली किरण के साथ ही पवनपुत्र हनुमान जी के विग्रह का आकर्षक एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया, जिसकी छटा देखते ही बन रही थी। कार्यक्रम का आध्यात्मिक उत्कर्ष श्री सुंदरकांड के सामूहिक सस्वर पाठ के दौरान देखने को मिला। चौपाइयों की गूंज से वातावरण में अद्भुत सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ और ऐसा प्रतीत हुआ मानो स्वयं मारुति नंदन भक्तों की पुकार सुनकर उपस्थित हों। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, श्रद्धा और भक्ति का प्रवाह और अधिक सघन होता गया। संध्या समय आयोजित भजन-कीर्तन ने वातावरण को और भी भावमय बना दिया। मधुर भक्ति संगीत की धुनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर मानो एक दिव्य लोक में परिवर्तित हो गया। इस आध्यात्मिक आयोजन की पूर्णता महाप्रसाद वितरण के साथ हुई, जहाँ जाति और वर्ण से परे श्रद्धालुओं का विशाल जनसमूह उमड़ पड़ा। सभी ने प्रसाद ग्रहण करते हुए सेवा, समर्पण और एकता की अद्भुत भावना का परिचय दिया। मंदिर समिति के अध्यक्ष उदय भान सिंह, सचिव नवीन पाठक सहित अनिल कुमार सिंह, संजय सिंह, ओंकार, राधेश्याम सिंह, दिलीप मिश्रा, स्नेह सिंह, बृज किशोर पांडे, अभिषेक सिंह, अभिजीत सिंह, अमन सिंह, नितेश राय, रोहित गुप्ता, शंकर, काशी, अरविंद तिवारी, विनय तिवारी सहित अनेक श्रद्धालुओं की सक्रिय उपस्थिति रही। माखला के इस पावन आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि आधुनिक भौतिकवादी युग में भी आस्था की शक्ति उतनी ही प्रबल है, जो समाज को एकता के सूत्र में बांधने का सामर्थ्य रखती है।

अयोध्या में महावीराचार्य पुरस्कार समर्पण एवं विद्वत महासंघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन

अयोध्या. शाबाश इंडिया

रायगंज स्थित बड़ी मूर्ति मंदिर परिसर में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय विद्वत जैन सम्मेलन के अंतर्गत भव्य पुरस्कार समर्पण समारोह और तीर्थंकर ऋषभदेव जैन विद्वत महासंघ के चुनाव संपन्न हुए। कार्यक्रम का आयोजन गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी एवं प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी के पावन सानिध्य में किया गया।

प्रमुख विद्वानों का सम्मान

समारोह के दौरान प्रो. सरोज जैन (बीना) को 'श्रीमती चंदारानी जैन स्मृति पुरस्कार-2026' और युवा विद्वान डॉ. संजीव जैन सराफ (वाराणसी) को 'प्रो. चंद्रवीर जैन स्मृति पुरस्कार-2026' से सम्मानित किया गया। वहीं, गणित के क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु डॉ. प्रगति जैन (इंदौर) को प्रतिष्ठित 'महावीराचार्य पुरस्कार' प्रदान किया गया। यह पुरस्कार डॉ. अनुपम जैन और उनके परिवार द्वारा प्रायोजित किया गया था।

नवीन कार्यकारिणी का चुनाव

महासंघ की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए महामंत्री विजय कुमार जैन ने बताया कि संस्था की स्थापना 6 अक्टूबर 1998 को जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर में हुई थी। वर्तमान में देश के 346 ख्याति प्राप्त विद्वान इसके सदस्य हैं। चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत पीठाधीश स्वस्तिश्री रवींद्रकीर्ति स्वामीजी ने नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें सर्वसम्मति से आगामी 3 वर्षों के लिए:

राष्ट्रीय अध्यक्षः डॉ. अनुपम जैन (इंदौर)
राष्ट्रीय महामंत्रीः श्री विजय कुमार जैन (जम्बूद्वीप)
को पुनः निर्वाचित किया गया। स्वामीजी ने दोनों पदाधिकारियों का तिलक लगाकर और पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया।

मध्याह्न सत्र की अध्यक्षता प्रो. नीलेश कुमार जैन (आईआईटी इंदौर) ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति प्रो. राजीव जैन (जयपुर) और विशेष अतिथि के रूप में प्रो. रेनू जैन (इंदौर) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में पूज्य माताजी ने सभी विद्वानों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। सायंकालीन सत्र में भक्ति कार्यक्रम और विद्वानों द्वारा शोध आलेखों का वाचन किया गया।

श्री महावीर कॉलेज में निःशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर संपन्न

'जीवन रक्षक सम्मान' पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी-स्कीम स्थित श्री महावीर कॉलेज में 3 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में विशाल स्वास्थ्य जाँच एवं रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह मानवतावादी प्रयास श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के संरक्षण में तथा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन (राजस्थान रीजन), एपेक्स अस्पताल और शंकरा आई अस्पताल के तकनीकी सहयोग से पूर्ण हुआ।

विविध चिकित्सा जांच और परामर्श

शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आयुर्वेद, होम्योपैथी, दंत चिकित्सा, अस्थि रोग, हृदय रोग और एक्यूप्रेशर सहित विभिन्न विधाओं में परामर्श प्रदान किया गया। इसके साथ ही आंखों की जांच, ईसीजी और रक्त समूह (ब्लड ग्रुप) की पहचान की गई। रक्त शर्करा (शुगर), रक्तचाप (बीपी) और शरीर द्रव्यमान सूचकांक (बीएमआई) जैसी महत्वपूर्ण जांचें निःशुल्क की गईं। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, कॉलेज स्टाफ और आम नागरिकों ने इन सुविधाओं का लाभ उठाया। कई युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का अनुपम संदेश दिया।

'जीवन रक्षक सम्मान समारोह' के पोस्टर का विमोचन

इसी गरिमामय अवसर पर समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेंद्र जी गोधा जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2026 के पोस्टर का विमोचन किया गया। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला और उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या ने अन्य गणमान्य जनों की उपस्थिति में यह विमोचन संपन्न किया। समारोह के मुख्य समन्वयक राकेश गोदिका ने जानकारी दी कि यह सम्मान समारोह रविवार, 5 अप्रैल को सायं 7 बजे से महावीर स्कूल के सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील बज, निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, समन्वयक राकेश संघी और प्राचार्य डॉ. आशीष गुप्ता सहित कई समाज सेवी उपस्थित रहे। अंत में कॉलेज प्रशासन ने सभी सहयोगियों और रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ की सराहनीय पहल

कन्या विवाह में सहयोग कर निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

कोटा. शाबाश इंडिया। समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने एक बार फिर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है। क्लब की सदस्याओं ने एकजुट होकर एक जरूरतमंद कन्या के विवाह में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर उसके नए जीवन की शुरूआत को सुखद और सम्मानजनक बनाने का प्रयास किया।

गृहस्थी की आवश्यक सामग्री की भेंट

पूर्व अध्यक्ष (आई.पी.पी.) सरिता भूटानी ने जानकारी दी कि राम कन्या की पुत्री अंजलि के विवाह के अवसर पर क्लब द्वारा घरेलू उपयोग की विभिन्न वस्तुएं भेंट की गईं। इस सहयोग में निम्नलिखित सामग्री शामिल रही: वस्त्र एवं ओढ़ने के कपड़े: सूट, साड़ियाँ, शॉल, बेडशीट और ऊनी वस्त्र। रसोई का सामान: गैस चूल्हा (स्टोव), कुकर, डिनर सेट, स्टील के बर्तन और क्रॉकरी। अन्य उपहार: आभूषण, पुरुषों के लिए शर्ट्स और नकद राशि।

आत्मविश्वास और सेवा का संदेश

क्लब की अध्यक्ष प्रमिला पारीक एवं सचिव रजनी अरोड़ा ने बताया कि इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद बालिकाओं को आत्मसम्मान के साथ वैवाहिक जीवन शुरू करने में सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल समाज में सकारात्मकता का संचार करती है और सेवा भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाती है। इस मंगल अवसर पर उपस्थित सभी सदस्याओं ने नववधू अंजलि के उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में प्रमिला पारीक, रजनी अरोड़ा, सरोज कालिया, डॉ. विजेता गुप्ता, सुशीला मित्तल, राजबाला गुप्ता, सरोज गोयनका, सरोज गुप्ता, बीना त्यागी, विद्यागर्ग और कौशल्या विजय सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं।

भीलवाड़ा में शिव महापुराण कथा की भव्य तैयारियां

12 भट्टियों पर लकड़ियों से बनेगा 20 हजार भक्तों का भोजन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। धर्मनगरी भीलवाड़ा में 8 से 14 अप्रैल तक आयोजित होने वाली श्री शिव महापुराण कथा के लिए तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के आगमन को लेकर संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज के सानिध्य में भव्य इंतजाम किए जा रहे हैं। विधायक एवं आयोजन समिति अध्यक्ष अशोक कोठारी, कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील जागेटिया के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। आजाद नगर स्थित मेडिसिटी ग्राउंड पर प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक होने वाली इस कथा में राजस्थान सहित अन्य राज्यों से भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुँचने की संभावना है।

भोजनशाला में पारंपरिक इंतजाम

बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पन्नाधाय सर्किल के पास एक विशाल भोजनशाला तैयार की गई है। भोजन व्यवस्था प्रभारी राजेश कुदाल ने बताया कि: प्रतिदिन सुबह-शाम लगभग 20-20 हजार भक्तों के लिए भोजन का प्रबंध किया जा रहा है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों (अमेरिका-ईरान युद्ध) के कारण रसोई गैस सिलेंडरों की संभावित कमी को देखते हुए, ईंट-मिट्टी की 12 भट्टियां बनाई गई हैं जिनमें ईंधन के रूप में लकड़ी का उपयोग होगा। भोजन निर्माण हेतु 70 से अधिक हलवाई और वितरण कार्य में 250 से अधिक सेवादारों की टीम तैनात रहेगी।

विशाल वाटरप्रूफ डोम और सुविधाएं

प्रचंड गर्मी से बचाव के लिए मेडिसिटी ग्राउंड पर लगभग साढ़े चार लाख वर्ग फीट क्षेत्र में तीन विशालकाय वाटरप्रूफ डोम और पाइप पांडाल का निर्माण अंतिम चरण में है। पांडाल के भीतर कूलर और पंखों की उचित व्यवस्था रहेगी ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो।

स्वच्छता के लिए उमड़ा जनसैलाब

कथा प्रांगण को स्वच्छ बनाने के लिए शुक्रवार को भी सुबह 7:15 से 8:15 बजे तक सामूहिक श्रमदान किया गया। विधायक अशोक कोठारी के नेतृत्व में बुजुर्गों, युवाओं और मातृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सफाई अभियान में हिस्सा लिया। महंत बाबूगिरी महाराज ने श्रमदान करने वाले श्रद्धालुओं के प्रति मंगलभावनाएं व्यक्त कीं। शनिवार सुबह भी स्वच्छता हेतु श्रमदान का कार्यक्रम यथावत रहेगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर मानवता परिवार व टीम रोटी बैंक की सेवा पहल

भिंड. शाबाश इंडिया। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मानवता परिवार एवं टीम रोटी बैंक द्वारा गौरी सरोवर स्थित गणेश मंदिर परिसर में सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस दौरान साधु-संतों, श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों को श्रद्धा भाव से प्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्यों ने भक्ति भावना के साथ भाग लेते हुए सेवा और सहयोग का संदेश दिया। संस्था से जुड़े बबलू सिंधी ने बताया कि मानवता परिवार एवं टीम रोटी बैंक का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को सेवा, सहयोग और भाईचारे के साथ मनाना है, जिससे समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता की भावना मजबूत हो सके। संस्था के सदस्यों ने बताया कि वे निरंतर ऐसे सेवा कार्य करते रहते हैं, जिससे जरूरतमंदों को सहायता मिलती है और समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। अंत में सभी ने हनुमान जी से सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।

ग्रामीण खेलकूद और कुश्ती दंगल के साथ श्री महावीरजी वार्षिक मेले का भव्य समापन

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, श्रीमहावीरजी में 27 मार्च से आयोजित हो रहे भगवान महावीर स्वामी के वार्षिक मेले का शुक्रवार को खेलकूद प्रतियोगिताओं और रोमांचक कुश्ती दंगल के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। आठ दिनों तक चले इस धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव के अंतिम दिन गंभीर नदी के तट पर विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। गंभीर नदी के रेतीले तट पर आयोजित इस दंगल में प्रदेश भर से आए दर्जनों नामी पहलवानों ने अपने दांव-पेंच और शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया। दंगल के दौरान सैकड़ों मुकाबले हुए, जिनमें क्षेत्रीय युवा पहलवानों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने पहलवानों की कुश्ती का भरपूर आनंद उठाया।

रोमांचक मुकाबला और पुरस्कार वितरण

दंगल की सबसे महत्वपूर्ण 'आखिरी कुश्ती' अत्यंत संघर्षपूर्ण रही और अंततः बराबरी पर छूटी। निर्णायक मुकाबले के दोनों पहलवानों को स्थानीय पंच-पटेलों और प्रबंधकारिणी कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा 3101 रुपये की प्रोत्साहन राशि और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कुश्ती को नियमों और अनुशासन के साथ संपन्न कराने में मैच रेफरी श्री पटेल, हरचरण पटेल और टॉमी सहित अनुशासन मंडल के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

प्रशासनिक और सामाजिक गरिमा

मंदिर कमेटी के व्यवस्थापक ने बताया कि भगवान महावीर का यह वार्षिक मेला शांतिपूर्ण और भव्यता के साथ संपन्न हुआ है। इस समापन अवसर पर थानाधिकारी गिर्राज प्रसाद, मंदिर समिति प्रबंधक नेमी कुमार पाटनी, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल विष्णु सिंह सिकरवार, विकास पाटनी, साहब सिंह गुर्जर और मोहर सिंह गुर्जर सहित गांव के प्रतिष्ठित पंच-पटेल और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांदिवली में भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

सुंदरकांड और महाभंडारे का आयोजन

मुंबई. शाबाश इंडिया

कांदिवली (पूर्व) के ठाकुर कॉम्प्लेक्स स्थित इच्छा मूर्ति हनुमान मंदिर में 'आदर्श टैक्सी स्टैंड' संस्था द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का पर्व अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सुंदरकांड पाठ, महायज्ञ, भव्य आरती और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा प्रवक्ता जितेंद्र सिंह, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार लक्ष्मीकांत ''कमल नयन'' और नितेश मिश्रा सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने श्री हनुमान जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर आए हुए अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

सेवा और समर्पण से सफल हुआ आयोजन

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के संस्थापक लालजी सेठ के कुशल मार्गदर्शन में उमेश दुबे, राघवेंद्र सिंह, परमेश्वर मिश्रा, छविनाथ मिश्रा, रामचंद्र दुबे, विनोद दुबे, जितेंद्र पांडे और विनय पांडे जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। सुंदरकांड के समापन के पश्चात महायज्ञ और महाआरती संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके उपरांत आयोजित महाप्रसाद (भंडारा) में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के अंत में पंकज मिश्रा ने उपस्थित सभी भक्तों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण वातावरण 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

आगरा में भक्ति का अनूठा संगम

भगवान आदिनाथ की प्रतिमाओं का प्रथम दर्शन और तिलक दान उत्सव संपन्न

आगरा. शाबाश इंडिया

ताजनगरी के हरीपर्वत क्षेत्र में शुक्रवार को आध्यात्मिक ऊर्जा और भारी उत्साह के बीच श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में 'प्रतिमा प्रथम दर्शन एवं तिलक दान उत्सव' श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर जैन समाज के हजारों श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मुनि संघ का सानिध्य और धार्मिक क्रियाएं

यह मांगलिक कार्यक्रम निर्यापक मुनि श्री विलोक सागर जी महाराज एवं मुनि श्री विबोध सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया। प्रतिष्ठाचार्य पंडित संदीप जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में समस्त धार्मिक क्रियाएं विधि-विधान से पूर्ण हुईं। श्रद्धालुओं ने सर्वतोभद्र जिनालय (न्यू आदर्श नगर, बल्केश्वर) में विराजमान होने वाली मूलनायक भगवान आदिनाथ सहित सभी 11 पाषाण प्रतिमाओं के प्रथम दर्शन किए और तिलक अर्पण कर पुण्य अर्जित किया।

प्रतिमाओं का भव्य नगर भ्रमण

मुनिराजों के आशीर्वचन ने उपस्थित जनसमूह को धर्म, संयम और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के उपरांत सभी प्रतिमाओं को एक सुसज्जित वाहन के माध्यम से एम.डी. जैन इंटर कॉलेज से रवाना किया गया। यह यात्रा डी-ब्लॉक कमला नगर, शालीमार एनक्लेव और कर्मयोगी एनक्लेव होते हुए अपने गंतव्य सर्वतोभद्र जिनालय, बल्केश्वर पहुँची। रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान की अगवानी की।

समाज की एकजुटता और प्रमुख उपस्थिति

इस भव्य आयोजन का सफल संचालन श्री आदिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति, बल्केश्वर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रदीप जैन पी.एन.सी., रजत जैन, पंकज जैन, राजीव जैन, पारस जैन कांसल, पारसमल जैन, सुमेर पांड्या, अंकेश जैन और शुभम जैन सहित आगरा दिगंबर जैन समाज के प्रमुख पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस उत्सव ने आगरा में धार्मिक आस्था, एकता और जैन संस्कृति की भव्य झलक प्रस्तुत की।

भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक पर गुलाबी नगर ग्रुप ने संकलित की 45 यूनिट रक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में 'दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर' के तत्वावधान में एक भव्य रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह मानवीय कार्य 'दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति' के सहयोग से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर द्वारा 29 मार्च 2026 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मंगल शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण के साथ हुआ। इस अवसर पर रीजन अध्यक्ष सुनील बज, राकेश गोदिका, ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या, डॉ. शैलेष जैन, रीजन सचिव नीरज जैन और अनिल रांवका ने अपनी उपस्थिति से आयोजन की शोभा बढ़ाई। राजस्थान रीजन के कोषाध्यक्ष प्रमोद सोनल ने भी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। शिविर में रक्त संग्रहण का कार्य सुमन ब्लड सेंटर की टीम द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में कुल 45 यूनिट रक्त संकलित किया गया। कार्यक्रम के सफल

संपादन में संयोजक प्रकाश पाटनी और राजेंद्र छाबड़ा की मुख्य भूमिका रही। ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बड़जात्या ने बताया कि रक्तदान करने वाले सभी सेवाभावी दाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में नरेंद्र सेठी, संजय कासलीवाल, महावीर पांड्या, विनोद झांझरी, चंद्रप्रकाश छाबड़ा और श्रीमती रत्नप्रभा शाह ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। अंत में सचिव महावीर पांड्या ने सभी अतिथियों और रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेंद्र जी गोधा स्मृति 'पंचम जीवन रक्षक सम्मान समारोह' रविवार 5 अप्रैल को

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन (राजस्थान रीजन) के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा रविवार, 5 अप्रैल 2026 को एक भव्य सम्मान समारोह और भक्ति संध्या का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेंद्र जी गोधा की पावन स्मृति में आयोजित किया जाएगा।

रक्तदान शिविर आयोजकों और चिकित्सा विशेषज्ञों का सम्मान

ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदिका एवं अध्यक्ष राजेश पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम सायं 7 बजे से सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल के 'वर्धमान सभागार' में प्रारंभ होगा। इस अवसर परः रक्तदान शिविरों का सफल

आयोजन करने वाली 24 प्रमुख संस्थाओं का गौरवशाली सम्मान किया जाएगा। चिकित्सा और मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु डॉ. पी.सी. जैन एवं नीरज गंगवाल को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

गरिमामयी उपस्थिति और मुख्य अतिथि

समारोह का दीप प्रज्वलन मुनि संघ सेवा समिति (बापू नगर) के अध्यक्ष राजीव जैन (गाजियाबाद) द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के मानद मंत्री उमरावमल संघी करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में समाज श्रेष्ठी अशोक चांदवाड़ उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में नंदकिशोर प्रमोद पहाड़िया, शैलेंद्र गोधा, सुरेंद्र-मृदुला पांड्या, महेश काला, ज्ञानचंद झांझरी, सुरेश चंद्र ऋषभ जैन, निर्मला देवी और अमित चांदवाड़ शिरकत करेंगे।

सांस्कृतिक आकर्षण: भक्ति संध्या और धार्मिक हाऊजी

समारोह में 'वॉइस ऑफ पिंक सिटी' फेम ईशान जैन और गायिका प्रिया जैन अपनी सुमधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण समता गोदिका एवं पार्टी द्वारा प्रस्तुत 'लाइव म्यूजिकल धार्मिक हाऊजी' होगी। विजेताओं को संस्था की ओर से आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। आयोजन के सफल प्रबंधन हेतु दर्शन-विनीता बाकलीवाल और राकेश-समता गोदिका को मुख्य समन्वयक बनाया गया है। साथ ही राकेश संघी, अनिल रांवका, नितेश पांड्या और पंकज जैन सहित अन्य सदस्य समन्वयक के रूप में व्यवस्थाएं संभालेंगे।

आचार्य वर्धमान सागर महाराज का रविवार को होगा भव्य मंगल प्रवेश: महावीर जी कमेटी और संस्थाओं ने किया श्रीफल भेंट

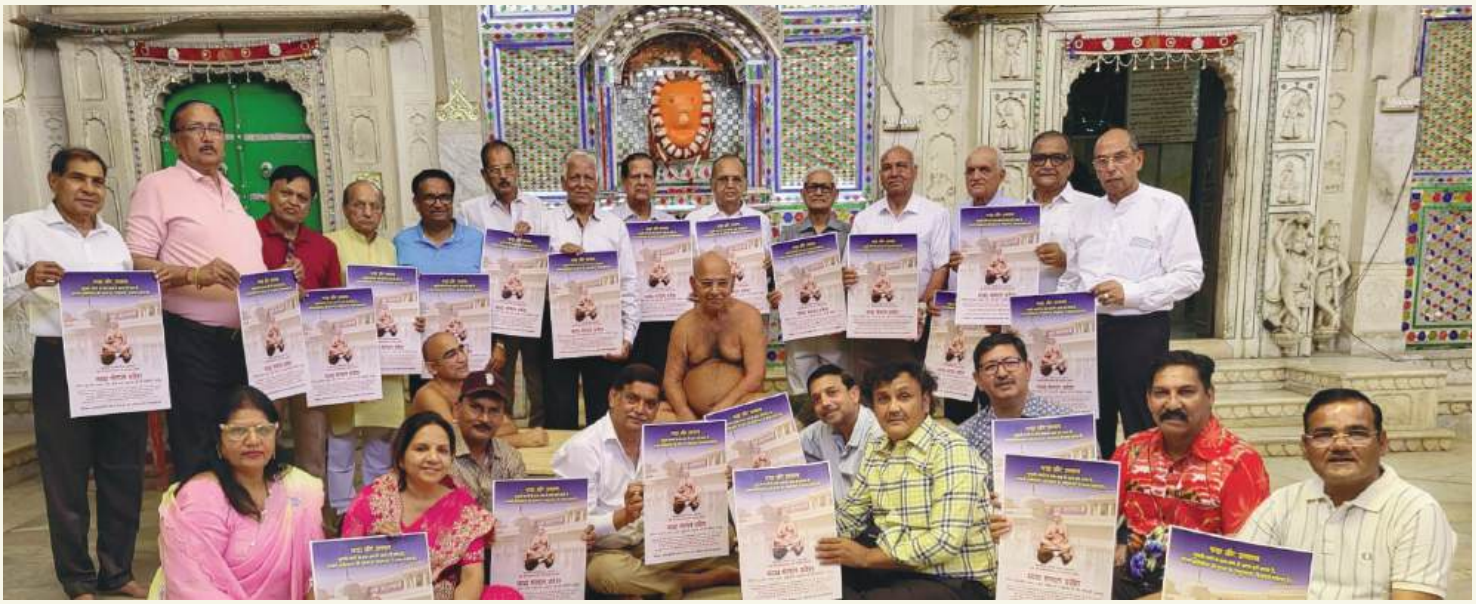

जयपुर. शाबाश इंडिया

वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ का रविवार को भट्टारक जी की नसिया में ऐतिहासिक मंगल प्रवेश होगा। इस पावन आगमन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को विभिन्न जैन संस्थाओं के पदाधिकारियों ने चौकड़ी मोदीखाना स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर लश्कर पाटोदी में आचार्य श्री को श्रीफल भेंट कर मंगल प्रवास का निवेदन किया। इस अवसर पर भव्य जुलूस और प्रवास के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

विहार मार्ग और अगवानी का कार्यक्रम

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल और मानद मंत्री उमरावमल संघी ने बताया कि रविवार प्रातः आचार्य संघ लश्कर पाटोदी मंदिर से विहार प्रारंभ करेगा। विहार का मार्ग इस प्रकार रहेगाः

चौकड़ी मोदीखाना से किशनपोल बाजार।

अजमेरी गेट होते हुए के टावर पहुँचेगा, जहाँ विवेक काला परिवार द्वारा भव्य अगवानी की जाएगी।

प्रातः 7 बजे महावीर स्कूल आगमन होगा, जहाँ शिक्षा परिषद की कार्यकारिणी द्वारा पाद प्रक्षालन और मंगल आरती की जाएगी।

विशाल जुलूस और धर्मसभा

राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने जानकारी दी कि प्रातः 8 बजे बैंड-बाजों के साथ विशाल जुलूस निकाला जाएगा। यह जुलूस हॉस्पिटल रोड और दीवान जी की नसिया होते हुए भट्टारक जी की नसिया पहुँचेगा। जुलूस में महिला मंडल, युवा मंडल और दिगंबर जैन सोशल ग्रुपों के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल होंगे। राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद के अनुसार, भट्टारक जी की नसिया के मुख्य द्वार पर महावीर जी कमेटी द्वारा भव्य अगवानी की जाएगी। मंदिर दर्शन के उपरांत तोतूका सभागार में धर्मसभा का आयोजन होगा। सभा में चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण और शास्त्र भेंट के बाद आचार्य श्री के मंगल आशीर्वचन होंगे। मुनि भक्त सुरेश सबलावत ने बताया कि आचार्य संघ का यहाँ एक सप्ताह तक प्रवास होने की संभावना है।

आदर्श नगर में मुल्तान महिला मंडल द्वारा भव्य भक्ति संध्या

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुल्तान दिगंबर जैन महिला मंडल द्वारा भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में एक भव्य भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। यह गरिमामय कार्यक्रम आदर्श नगर स्थित श्री मुल्तान दिगंबर जैन मंदिर परिसर में अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ।

भक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संगम

महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मधु जैन एवं मंत्री श्रीमती नम्रता जैन ने बताया कि इस सुंदर समारोह में लगभग 200 महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। पूरा मंदिर परिसर भक्ति भाव से ओत-प्रोत रहा, जहाँ मधुर भजनों की लहरियों और मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

एकता और श्रद्धा की मिसाल

समारोह में महिलाएं अपने बच्चों और परिवारजनों के साथ सम्मिलित हुईं, जिससे वातावरण और भी आनंदमय बन गया। महिलाओं की अटूट श्रद्धा, ऊर्जा और संगठित प्रयास ने इस आयोजन को भव्य रूप प्रदान किया। मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और भगवान महावीर के सिद्धांतों से जोड़ना है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने भगवान की सामूहिक आरती की और मंगल भावनाएं व्यक्त कीं।

जो निरंजन है वही परमात्मा है-समस्त कर्मों से रहित होना ही प्रभुता है: आचार्य श्री कनक नंदी जी

भिलुडा/सागवाड़ा. शाबाश इंडिया

विश्व धर्म प्रभाकर वैज्ञानिक धमार्चार्य कनक नंदी गुरुदेव ने शिवगौरी आश्रम से आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार को संबोधित करते हुए आत्मा और परमात्मा के सूक्ष्म अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि जो 'निरंजन' है, वही वास्तव में परमात्मा है। परमात्मा वह अवस्था है जो समस्त द्रव्य कर्म, भाव कर्म और नोकर्म से पूरी तरह रहित होती है। आचार्य श्री ने कहा कि जिस प्रकार आकाश में अनंत गुण हैं, वैसे ही परमात्मा में भी अनंत गुण विद्यमान हैं। उन्होंने 'बहिरात्मा' की व्याख्या करते हुए बताया कि जो जीव देह (शरीर) को ही अपनी आत्मा मानता है, वह मिथ्यात्व में जी रहा है। इंद्रियों से जो दिखाई देता है या सुख-दुख का अनुभव होता है, उसे ही सत्य मान लेना 'बहिरात्मापना' है। जीव जिस भी पर्याय (मनुष्य, देव, नारकी या तिर्यंच) में जन्म लेता है, अज्ञानता वश उसी शरीर को 'मैं' मान लेता है, जो कि सत्य नहीं है।

आध्यात्मिक ज्ञान और स्व-संवेदन

गुरुदेव ने जोर दिया कि संसार के अन्य सभी ज्ञानों से 'आध्यात्मिक ज्ञान' श्रेष्ठ है। हर जीव अनंतानंत शक्ति और बुद्धि से संपन्न है, लेकिन जब तक वह विभावों (क्रोध, मान, माया, लोभ) से स्वतंत्र नहीं होता, तब तक वह परतंत्र ही रहता है। मोह और अंधविश्वास ही वह पर्दा है, जो आत्मा के वास्तविक दर्शन और ज्ञान को रोकता है।

मिथ्यात्व और सम्यक दृष्टि का महत्व

आचार्य श्री ने गोमटसार ग्रंथ की 18 नंबर गाथा का संदर्भ देते हुए बताया कि मिथ्या दृष्टि जीव सर्वज्ञ की वाणी पर भी विश्वास नहीं करता, जैसे मरीचि कुमार ने किया था। सर्वज्ञ द्वारा प्रतिपादित आगम के एक अक्षर को भी गलत मानना 'मिथ्यात्व' है। उन्होंने कहा कि सम्यक दृष्टि बने बिना वास्तविक धर्म का प्रारंभ ही नहीं होता। धार्मिक पर्व शांति और एकता के लिए होते हैं, लेकिन धर्म के वास्तविक स्वरूप को

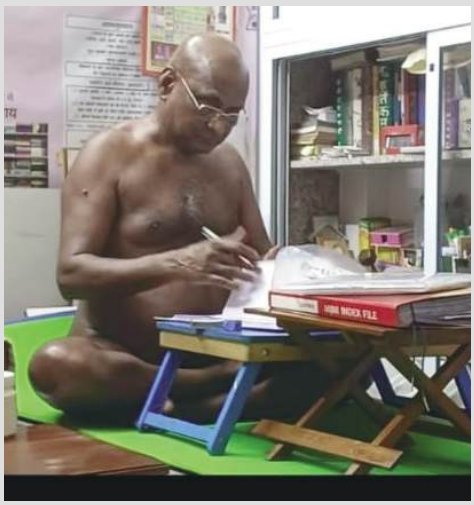

न जानने के कारण ही संसार में वैमनस्य दिखाई देता है। मतिज्ञान और श्रुतज्ञान का उपयोग यदि स्वार्थ या मनमानी के लिए किया जाए, तो वह जीव को विभ्रम और संशय की ओर ले जाता है।

जटायु का साहस

परिणाम जानते हुए भी अन्याय के विरुद्ध लड़ना ही सच्ची वीरता है

जब भी वीरता की बात होती है, तो अक्सर लोग जीत और सफलता को ही उसका मापदंड मान लेते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि वीरता का वास्तविक अर्थ केवल जीतना नहीं, बल्कि सत्य और धर्म के पक्ष में खड़े होना है—चाहे परिणाम कुछ भी हो। यही प्रेरणा हमें जटायु के चरित्र से प्राप्त होती है। रामायण का वह प्रसंग अत्यंत मार्मिक है, जब रावण माता सीता का हरण कर उन्हें ले जा रहा था। उसी समय जटायु, जो एक वृद्ध और शक्तिहीन पक्षी थे, इस दृश्य के साक्षी बने। वे भली-भाँति जानते थे कि रावण अत्यंत बलशाली है और उससे युद्ध करना उनके लिए लगभग असंभव है। फिर भी उन्होंने अन्याय के सामने मौन रहना स्वीकार नहीं किया। जटायु ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना रावण से युद्ध किया। यह जानते हुए भी कि वे विजय प्राप्त नहीं कर पाएंगे, उन्होंने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। यही वह क्षण है, जहाँ उनका साहस असाधारण बन जाता है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि वीरता का मूल्य परिणाम से नहीं, बल्कि अपने धर्म और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा से निर्धारित होता है। आज के समय में भी यह शिक्षा उतनी ही प्रासंगिक है। हम अक्सर अन्याय, भ्रष्टाचार और गलत कार्यों को देखते हैं, लेकिन चुप रहना ही आसान समझते हैं। हम यह सोचकर पीछे हट जाते हैं कि अकेले हमारे प्रयास से क्या परिवर्तन होगा। यही सोच हमें भीतर से कमजोर बनाती है। जटायु हमें यह प्रेरणा देते हैं कि यदि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस है, तो वही सच्ची वीरता है। परिणाम हमारे नियंत्रण में नहीं होता, लेकिन प्रयास और निष्ठा अवश्य हमारे हाथ में होती है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य संभव है। यह भी समझना आवश्यक है कि हर संघर्ष जीत के लिए नहीं होता, कुछ संघर्ष अपने आत्मसम्मान और मूल्यों की रक्षा के लिए होते हैं। जटायु का बलिदान इसी सत्य का प्रतीक है। उन्होंने अपने प्राणों का त्याग कर यह संदेश दिया कि धर्म की रक्षा के लिए किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता। अतः हमें अपने जीवन में यह संकल्प लेना चाहिए कि चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, हम सत्य और न्याय के मार्ग से विचलित नहीं होंगे। परिणाम चाहे जो भी हो, यदि हमारा पक्ष धर्म का है, तो हमारा प्रयास ही हमारी सबसे बड़ी विजय है। यही जटायु के साहस का सार है और यही सच्ची वीरता की पहचान।

नितिन जैन
संयोजक: जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मो.: 9215635871

युवा परिषद हेरिटेज संभाग का दल अयोध्या के लिए रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के 50वें स्वर्णिम स्थापना दिवस महोत्सव के उपलक्ष्य में हेरिटेज संभाग, जयपुर का 25 सदस्यों का दल शाश्वत तीर्थ अयोध्या के लिए रवाना हुआ। संभाग की सांस्कृतिक मंत्री अंजना शाह ने यह जानकारी दी। प्रदेश मंत्री विनोद पापड़ीवाल एवं वरिष्ठ सलाहकार अजीत सौगानी ने जैन ध्वजा फहराकर 6 दिवसीय धार्मिक यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि यह यात्रा मथुरा चौरासी, कपीलाजी, विमल सागर महाराज जी की जन्मस्थली कोसमा, तीर्थ क्षेत्र मंगलायतन, अतिक्षेत्र पारसनाथ जी सहित विभिन्न तीर्थों के दर्शन करती हुई अयोध्या धाम पहुंचेगी। अयोध्या में 5 एवं 6 अप्रैल को दिगंबर जैन समाज की प्रमुख गणिनी प्रमुख आर्यिका ज्ञानमती माताजी के पावन सान्निध्य में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में यह दल भाग लेगा। इस अधिवेशन में देशभर से युवा परिषद की शाखाएं सम्मिलित होंगी। रवानगी के अवसर पर मंत्री नरेश छाबड़ा, कोषाध्यक्ष संतोष छाबड़ा एवं मनीता छाबड़ा ने सभी सदस्यों का तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत व सम्मान किया।

हिंदी रंगमंच के विकास के लिए ठोस सरकारी पहल जरूरी: ओम प्रकाश सैनी

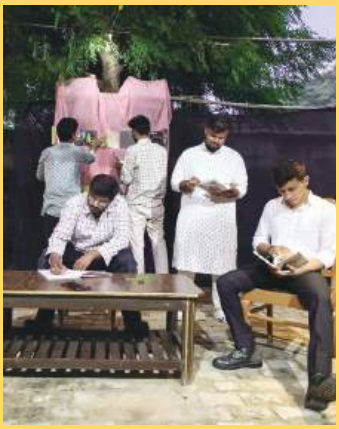

आमेर (जयपुर). शाबाश इंडिया। हिंदी रंगमंच दिवस के अवसर पर आमेर स्थित 'नाटकवाला कला मंच' ने हिंदी नाट्य लेखन और रंगमंच को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत योजनाओं की आवश्यकता पर बल दिया है। संस्था के संस्थापक और रंगमंच प्रशिक्षक ओम प्रकाश सैनी ने कहा कि समृद्ध परंपरा के बावजूद हिंदी रंगमंच के विकास हेतु अपेक्षित प्रयास नहीं हो रहे हैं। सैनी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रमुख कला केंद्रों और सांस्कृतिक संस्थानों के पास हिंदी नाट्य लेखन को प्रोत्साहित करने की कोई स्पष्ट कार्ययोजना नहीं है। नए नाटककारों को तैयार करने और हिंदी साहित्य (कहानी, उपन्यास) को रंगमंच से जोड़ने की दिशा में पहल का अभाव है। उन्होंने स्वयं मुंशी प्रेमचंद की कहानियों से प्रेरित होकर ''मैं, तुम और हम'' नामक नाटक की रचना और मंचन कर साहित्य को रंगमंच से जोड़ने का सफल प्रयास किया है। ओम प्रकाश सैनी ने बताया कि उनका संगठन पिछले कुछ वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में बाल रंगमंच और सामाजिक कार्यशालाओं के माध्यम से हिंदी नाट्य परंपरा को जीवित रखने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने सरकार और सांस्कृतिक संस्थानों से अपील की है कि वे योजनाबद्ध तरीके से हिंदी रंगमंच का संरक्षण करें, ताकि नई पीढ़ी इस सशक्त माध्यम से जुड़ सके।